GYANBODH
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 3
May-June:2025

वाराणसी मण्डल के जिलों में स्वयं सहायता समूह के प्रगति का तुलनात्मक अध्ययन

अभय सिंह, शोध छात्र, अर्थशात्र विभाग, महात्मागांधी काशीविद्यापीठ, वाराणसी।
डॉ. पारस नाथ मौर्य, एसोसिएट प्रोफेसर,
अर्थशात्र विभाग, महात्मागांधी काशीविद्यापीठ, वाराणसी।

सारांश (Abstract)

देश के आर्थिक प्रगति में मानव संसाधन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिसमें महिला एवं पुरुष समान रूप से सहभाग करते हैं। आर्थिक विकास को गति प्रदान करने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रस्तुत अध्ययन उत्तर प्रदेश के वाराणसी मण्डल के जिलों (वाराणसी, चन्दौली, जौनपुर, गाजीपुर) में स्वयं सहायता समूहों के निर्माण एवं वृद्धि के तुलनात्मक अध्ययन से सम्बन्धित है। अध्ययन में द्वितीयक आंकड़ों का उपयोग किया गया है। इन आंकड़ों को वर्ष 2011 से 2021 तक के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की आधिकारिक वेबसाइट से एकत्र किया गया है। वाराणसी मण्डल के जिलों में चन्दौली जनपद में स्वयं सहायता समूहों की वृद्धि सबसे अधिक है। जबकि गाजीपुर जनपद में स्वयं सहायता समूहों की वृद्धि वाराणसी मण्डल में सबसे कम है। चन्दौली जनपद में आवण्टित परिक्रमण निधि वाराणसी मण्डल के अन्य जिलों की तुलना में सबसे अधिक है।

मुख्य शब्द : परिक्रमणनिधि, स्वयं सहयता समूह, नाबार्ड, सूक्ष्म वित्त।

परिचय (Introduction)

शिक्षित एवं प्रशिक्षित मातृ शक्ति किसी भी समाज की प्रगति का मूल स्तम्भ होती है। देश के समग्र एवं सतत् विकास के लिए महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन हेतु पर्याप्त सरकारी निवेश आवश्यक है। सरकार द्वारा महिलाओं पर किया गया निवेश न केवल महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन का कारक बनता है बल्कि देश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में दिशात्मक बदलाव करता है। विकास की प्रक्रिया में महिलाओं को जोड़कर उसके लाभ को महिलाओं तक पहुँचाने के लिए सरकार ने एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम से लेकर अब तक अनेक कार्यक्रम चलाए। जिससे भौतिक संसाधनों का उपयोग करके महिलाएं अपने जीवन स्तर को सुधार सकें। सन् 1968 में मैसूर पुनर्वास एवं विकास संस्थान ने अनौपचारिक

रूप से महिलाओं के आर्थिक विकास को मजबूत करने में सहायता प्रदान की। सन् 1972 में गुजरात की इला भट्ट ने स्वरोजगार महिला संघ (Self Employed Women`s Association, SEWA) के द्वारा स्वयं सहायता समूह के विचार को दिया। परन्तु सरकार ने औपचारिक रूप से सन् 1978 में एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम को चला कर महिलाओं के आर्थिक विकास को गति प्रदान की।

1 अप्रैल 1999 को एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम को छः अन्य योजनाओं के साथ स्वर्णजयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना में समाहित कर दिया गया। जिसमें प्रत्येक गरीब परिवार में से एक महिला को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने का प्रस्ताव था। अप्रैल 2008 में प्रो. आर. राधाकृष्णा समिति ने भारत सरकार को एक रिपोर्ट भेजी जिसमें यह बताया गया कि बैंक द्वारा वित पोषित केवल 22 प्रतिशत स्वयं सहायता समूह ही आर्थिक गतिविधियों में संलग्न हैं। इस कमी को दूर करने के लिए वर्ष 2011 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को शुरू किया गया। जो वर्तमान में दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के रूप में आज भी कार्य कर रही है।

सन् 1992 में नाबार्ड ने स्वयं सहयता समूहों को बैंक लिंकेज के माध्यम से बैंकों से जोड़ा। जिसमें स्वयं सहायता समूहों को ब्याज दर में 5 प्रतिशत का अनुदान दिया जाता हैं। स्वयं सहायता समूहों की वित्तीय निगरानी नाबार्ड करता है। स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों की क्षमता एवं योग्यता के विकास के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक भी सहयोग करता है जिससे सदस्यों को सूक्ष्म उद्यमी बनने में सहयता मिलती है।

स्वयं सहायता समूह 10 से 20 महिलाओं का एक संगठन होता है। जिसमें ये महिलाएं अन्य नियमित बचत के माध्यम से अपने आर्थिक क्रियाओं का संचालन करती हैं। स्वयं सहायता समूहों का उद्देश्य हाशिये पर जीवन यापन कर रहे परिवारों की महिलाओं को नियमित बचत के माध्यम से स्वरोजगार उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से स्वालम्बी बनाना है। जिससे वे समाज की मुख्य धारा से जुड़ पायें। स्वयं सहायता समूहों के निर्माण के उपरान्त इन समूहों को अपनी आर्थिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 15,000 रुपये की धनराशि परिक्रमण निधि (Revolving Fund) के रूप में दी जाती है, जो ब्याज मुक्त होती है।

GYANBODH
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 3
May-June:2025

भारत में कुल 84,03,359 स्वयं सहायता समूह सकृय हैं जिसमें 8,59,70,743 महिला सदस्य हैं। सबसे अधिक स्वयं सहायता समूह पश्चिम बंगाल में 10,84,303 तथा सबसे कम केरल में 2,45,234 स्वयं सहायता समूह हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक प्रयागराज जिले में 23,357 स्वयं सहायता समूह एवं सबसे कम गौतमबुद्ध नगर में 1,690 स्वयं सहयता समूह कार्य कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2011 से 2021 तक 3,06,218 स्वयं सहायता समूहों को कुल 4,57,43,77,959 रुपये परिक्रमणनिधि के रूप में दी जा चुकी है।

वाराणसी मण्डल के जिलों में चन्दौली जनपद में कुल 11,042 स्वयं सहायता समूह हैं जबकि जिले की आबादी 19,52,756 तथा महिला जनसंख्या 9,34,851 है। इसप्रकार जिले में 85 महिलाओं पर 1 स्वयं सहायता समूह पर है। शेष जिलों में वाराणसी जिले में 11,329 स्वयं सहायता समूह संचालित हैं, जबकि जिले कि जनसंख्या 36,76,841 तथा महिला जनसंख्या 17,54,984 है। इसप्रकार 155 महिलाओं पर 1 स्वयं सहायता समूह पर है। जौनपुर जनपद में 16,651 स्वयं सहायता समूह हैं, जबकि जिले की जनसंख्या 44,94,204 में 22,73,739 महिलायें हैं। इस प्रकार 136 महिलाओं पर 1 स्वयं सहायता समूह है। गाजीपुर जनपद 9,191 स्वयं सहायता समूहों से आच्छादित है तथा जिले की जनसंख्या 36,20,268 है, जिसमें 18,55,075 महिलायें हैं। इस तरह से 202 महिलाओं पर 1 स्वयं सहायता समूह है। समग्र रूप से वाराणसी मण्डल में 48,213 स्वयं सहायता समूह है जहां कि जनसंख्या 1,37,44,069 है तथा महिला जनसंख्या 68,18,649 है। इस प्रकार वाराणसी मण्डल में 141 महिलाओं पर 1 स्वयं सहायता समूह है।

साहित्यिक अवलोकन (Literature Review)

जिन्दल (2005) ने अपने लेख में बताया कि स्वयं सहायता समूहों को सरकार गैर सरकारी संगठन एवं अन्य सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

हैनरी (2009) ने बताया कि स्वयं सहायता समूह महिलाओं एवं सूक्ष्म उद्यमियों के लिए भारत में वित्तीय समावेशन प्रभावपूर्ण मॉडल है। यह नाबार्ड के सहयोग से 33 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है।

सीताराम (2011) सूक्ष्म वित्त की सुविधा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं में बचत की प्रवृत्ति को बढ़ा रही है। स्वयं सहायता समूह महिलाओं के दिमाग में यह बात बैठाने में सफल हुए हैं कि जब उन्हे आवश्यकता हो वे बिना प्रतिभूति जमा किये भी ऋण प्राप्त कर सकती हैं।

रेड्डी (2012) ने अपने शोधपत्र में बताया कि भारत के राज्यों में स्वयं सहायता समूहों का असमान वितरण है। इन्होंने नाबार्ड के रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए बताया कि आन्ध्र प्रदेश में सबसे अधिक 14.96 लाख स्वयं सहायता समूह हैं जबकि गुजरात में सबसे कम 2. 27 लाख स्वयं सहायता समूह हैं।

रघुनाथन (2021) ने अपने शोध पत्र में बताया कि महिला संगठनो का उपयोग करके सरकार सतत् विकास के लक्ष्यों को पूरा कर सकती है। महिला समूहों में पोषण एवं पर्यावरण के बारे में विशेष ज्ञान होता है, जिसे सरकार उपयोग कर सकती है।

पाण्डेय (2024) ने अपने शोध में पाया कि दीर्घ काल में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा स्वयं सहायता समूह में कार्यरत् महिलाओं की आय बढ़ी है। परन्तु इन महिलाओं के उपभोग व्यय में कमी आयी है।

अध्ययन का उद्देश्य (Objective of the Study)

प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य वाराणसी मण्डल में स्वयं सहायता समूहों के निर्माण की वृद्धि दर तथा उनको दी जाने वाली परिक्रमण निधि की वृद्धि दर का विश्लेषण करना है।

शोध प्रविधि (Research Methodology)

प्रस्तुत अध्ययन वर्ष 2011 से 2021 तक की अवधि के द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है। द्वितीयक आंकड़ों को भारत सरकार की राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की आधिकारिक

GYANBODH
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 3
May-June:2025

वेबसाईट से एकत्रित किया गया है। शोध अध्ययन में उपकरणों एवं अवधारणाओं के लिए कुल वृद्धि दर, औसत वृद्धि दर एवं अनुपात विधि का उपयोग किया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण (Analysisof Data)

सारणी–1 वाराणसी मण्डल के जिलों में वर्ष वार स्वयं सहायता समूहों के निर्माण का प्रतिशत

वर्ष	चन्दौली	वाराणसी	जौनपुर	गजीपुर	वाराणसी मण्डल	वाराणसी मण्डल के जिलों का प्रतिशत			
2011	8	1	4	0	13	61.6	7.7	30.8	0
2012	14	6	3	2	25	56	24	12	8
2013	14	6	5	9	34	41.2	17.6	14.7	26.5
2014	154	118	72	152	496	31	23.7	14.5	30.6
2015	830	486	277	383	1976	42	24.6	14.1	19.3
2016	866	497	295	191	1849	46.8	26.8	16.0	10.4
2017	911	400	95	124	1530	59.5	26.1	6.2	8.2
2018	1307	1095	240	55	2697	48.5	40.6	8.8	2.1
2019	1318	1237	110	70	2735	48.2	45.2	4.1	2.5
2020	1258	1678	407	433	3776	33.3	44.5	10.7	11.5
2021	1092	342	530	301	2265	48.3	15.1	23.3	13.3

स्रोत : https://nrlm.gov.in/outerReportAction.do?methodName=showIndex#gsc.tab=0

सारणी संख्या 1 में वाराणसी मण्डल के सभी जिलों में 2011 से लेकर 2021 तक में स्वयं सहायता समूहों के निर्माण को दर्शाया गया है। जिससे यह ज्ञात होता है कि वाराणसी मण्डल में सबसे अधिक स्वयं सहायता समूहों का निर्माण चन्दौली जनपद में तथा सबसे कम स्वयं सहायता समूहों का निर्माण गाजीपुर जिले में हुआ है।

रेखाचित्र–1 वाराणसी मण्डल के जिलों में वर्ष वार स्वयं सहायता समूहों का निर्माण का प्रतिशत

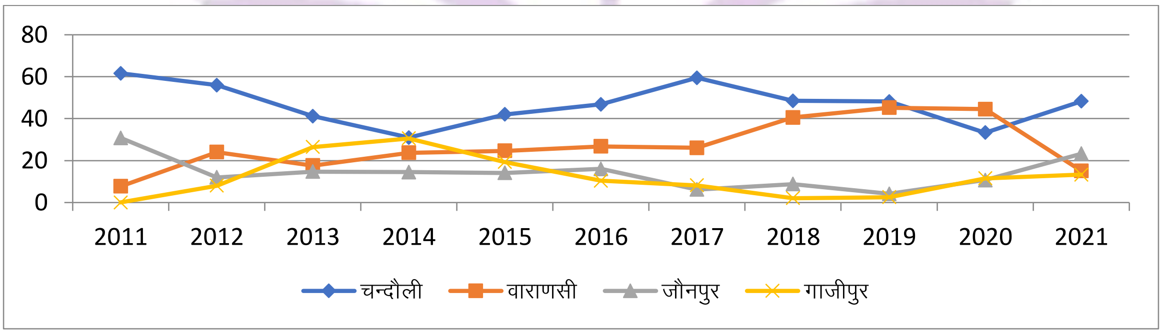

GYANBODH

ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 3
May-June:2025

रेखा चित्र 1 से स्पष्ट है कि वाराणसी मण्डल के जिलों में गाजीपुर जनपद को छोडकर शेष सभी जिलों में स्वयं सहायता समूहों का निर्माण अधिक हुआ है। विभिन्न जिलों में स्वयं सहायता समूहों के वर्षवार निर्माण में निश्चितता नहीं है।

सारणी–2 उत्तर प्रदेश के सापेक्ष स्वयं सहायता समूहों के निर्माण का प्रतिशत

वर्ष	चन्दौली	वाराणसी	जौनपुर	गजीपुर
2011	5	0.6	2.5	0
2012	3.2	1.3	0.6	0.4
2013	2.1	0.9	0.7	1.3
2014	1.9	1.4	0.8	1.8
2015	2.2	1.3	0.7	1.0
2016	2.7	1.6	0.9	0.6
2017	3.1	1.4	0.3	0.4
2018	3.1	2.6	0.5	0.1
2019	2.6	2.4	0.2	0.1
2020	1.6	2.2	0.5	0.5
2021	3.1	0.9	1.5	0.8

स्रोतःशोधार्थी द्वारास्वयं आंगणित

सारणी 2 में दिये गये आंकड़ों से स्पष्ट है कि वाराणसी मण्डल के जिलों में चन्दौली जिले में स्वयं सहायता समूहों के निर्माण का प्रतिशत उत्तर प्रदेश के सापेक्ष सबसे अधिक है जबकि गाजीपुर जनपद में स्वयं सहायता समूहों के निर्माण का प्रतिशत सबसे कम है।

रेखाचित्र–2 उत्तर प्रदेश के सापेक्ष स्वयं सहायता समूहों के निर्माण का प्रतिशत

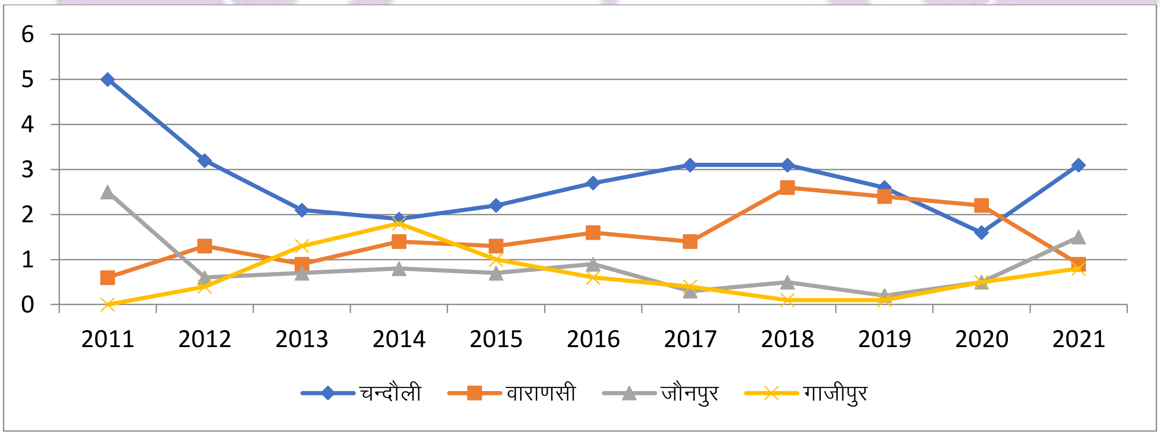

ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 3
May-June:2025

रेखाचित्र 2 से स्पष्ट है कि वाराणसी मण्डल के चन्दौली जिले में स्वयं सहायता समूहों के निर्माण का प्रतिशत उत्तर प्रदेश के सापेक्ष सबसे अधिक है जबकि गाजीपुर जिले में स्वयं सहायता समूहों के निर्माण का प्रतिशत सबसे कम है।

सरणी–3 वाराणसी मण्डल के जिलों में स्वयं सहायता समूहों को प्राप्त परिक्रमण निधि का प्रतिशत (रूपये हजार में)

वर्ष	चन्दौली	वाराणसी	जौनपुर	गाजीपुर	वाराणसी मण्डल	प्रतिशत			
2011	80	15	15	0	110	72.7	13.6	13.6	0
2012	1,19.374	75	45	15	254.374	46.9	29.5	17.6	5.9
2013	1,22.5	65	50	100	389.374	36.3	19.3	14.8	29.6
2014	21,00	1,655	1,040	2,170	6,965	30.2	23.8	14.9	31.2
2015	12,313	7,275	4,051.5	5,695	29,334.5	42	24.8	13.8	19.4
2016	12,990	7,455	4,398	2,257.5	2,710.05	47.9	27.5	16.2	8.3
2017	13,665	6000	1,425	1,860	63,400	59.5	26.1	6.2	8.1
2018	19,605	16,425	3,600	825	40,455	48.5	40.6	8.9	2.0
2019	19,770	18,555	1,650	1,050	41,025	48.2	45.2	4.0	2.5
2020	18,870	25,170	6,105	6,495	56,640	33.3	44.4	10.7	11.5
2021	16,380	5,330	7,950	4,515	33,975	47.9	15.6	23.26	13.2

स्रोत : https://nrlm.gov.in/outerReportAction.do?methodName=showIndex#gsc.tab=0

परिक्रमण निधि स्वयं सहायता समूहों के निर्माण के बाद उनको स्थयित्व प्रदान करने के लिए 3 महीने के बाद दी जाने वाली सहायता होती है, जिसपर कोई ब्याज देय नहीं होता है। सारणी संख्या 3 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि वाराणसी मण्डल के जिलों में चन्दौली जनपद को अन्य जिलों के सापेक्ष सबसे अधिक परिक्रमण निधि प्राप्त हुआ है जबकि सबसे कम गाजीपुर जनपद को परिक्रमण निधि प्राप्त हुआ है।

रेखाचित्र–3 स्वयं सहायता समूहों को प्राप्त परिक्रमण निधि का प्रतिशत

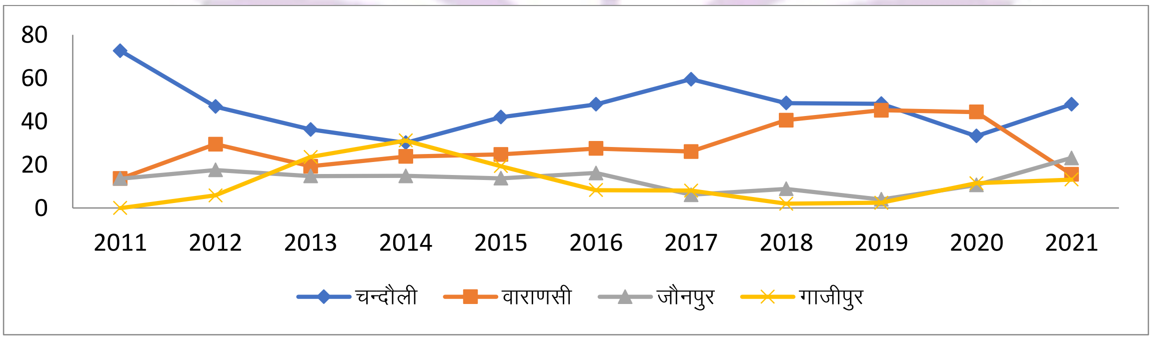

GYANBODH
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 3
May-June:2025

रेखाचित्र 3 से स्पष्ट है कि वाराणसी मण्डल के चन्दौली जिले को प्राप्त परिक्रमण निधि अन्य जिलों की तुलना में सबसे अधिक है एवं सबसे कम गाजीपुर जिले को परिक्रमण निधि प्राप्त हुआ है।

सारणी–4 स्वयं सहायता समूहों को प्राप्त परिक्रमण निधि का प्रतिशत

वाराणसी मण्डल के जिलों में स्वयं सहायता समूहों को प्राप्त परिक्रमण निधि का प्रतिशत (उत्तर प्रदेश के सापेक्ष)				
वर्ष	**चन्दौली**	**वाराणसी**	**जौनपुर**	**गजीपुर**
2011	4.8	0.9	2.4	0
2012	2.5	1.6	0.9	0.3
2013	1.5	0.8	0.6	1.2
2014	1.8	1.4	0.9	1.9
2015	2.2	1.3	0.7	1.0
2016	2.8	1.6	0.9	0.4
2017	3.1	1.4	0.3	0.4
2018	3.1	2.6	0.5	0.1
2019	2.6	2.4	0.2	0.1
2020	1.6	2.2	0.5	0.5
2021	3.1	0.9	1.5	0.8

स्रोतः शोधार्थी द्वारा स्वयं आंगणित

सारणी 4 में दिये गये आंकड़ों से स्पष्ट है कि वाराणसी मण्डल के जिलों में चन्दौली जिले में स्वयं सहायता समूहों को प्राप्त परिक्रमण निधि का प्रतिशत उत्तर प्रदेश के सापेक्ष सबसे अधिक है जबकि गाजीपुर जनपद में स्वयं सहायता समूहों को प्राप्त परिक्रमण निधि का प्रतिशत सबसे कम है।

रेखाचित्र–4 स्वयं सहायता समूहों को प्राप्त परिक्रमण निधि का प्रतिशत

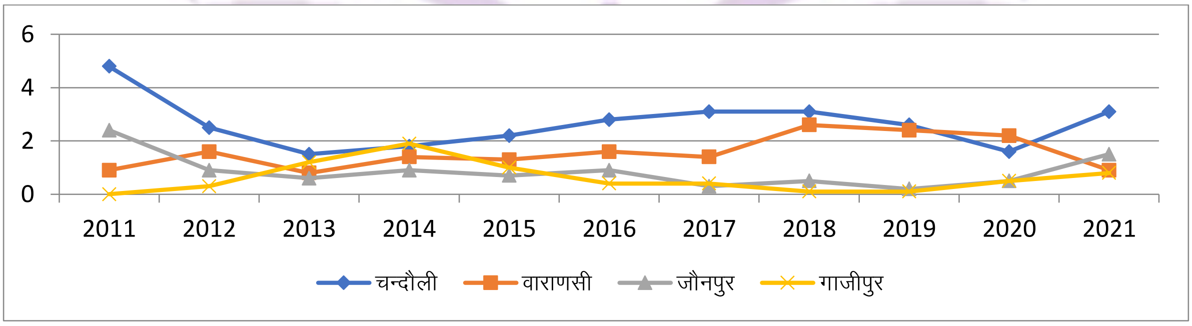

GYANBODH
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 3
May-June:2025

रेखाचित्र 4 से स्पष्ट है कि वाराणसी मण्डल के जिलों में चन्दौली जिले में स्वयं सहायता समूहों को प्राप्त परिक्रमण निधि का प्रतिशत उत्तर प्रदेश के सापेक्ष सबसे अधिक है जबकि गाजीपुर जनपद में स्वयं सहायता समूहों को प्राप्त परिक्रमण निधि का प्रतिशत सबसे कम है।

सारणी–5 वाराणसी मण्डल में निर्मित स्वयं सहायता समूहों में जिलों की हिस्सेदारी

वर्ष	चन्दौली	वाराणसी	जौनपुर	गजीपुर	वाराणसीमण्डल
2011	8	1	4	0	13
2012	14	6	3	2	25
2013	14	6	5	9	34
2014	154	118	72	152	496
2015	830	486	277	383	1976
2016	866	497	295	191	1849
2017	911	400	95	124	1530
2018	1307	1095	240	55	2697
2019	1318	1237	110	70	2735
2020	1258	1678	407	433	3776
2021	1092	342	530	301	2265
योग	**7772**	**5866**	**2038**	**1720**	**17396**

स्रोत : https://nrlm.gov.in/outerReportAction.do?methodName=showIndex#gsc.tab=0

सारणी संख्या 5 से स्पष्ट है कि वाराणसी मण्डल के जिलों में स्वयं सहायता समूहों की संख्या में चन्दौली जिले की हिस्सेदारी सबसे अधिक है जबकि सबसे कम स्वयं सहायता समूह गाजीपुर जनपद में हैं।

पाईचार्ट–1 वाराणसी मण्डल में निर्मित स्वयं सहायता समूहों में जिलों की हिस्सेदार

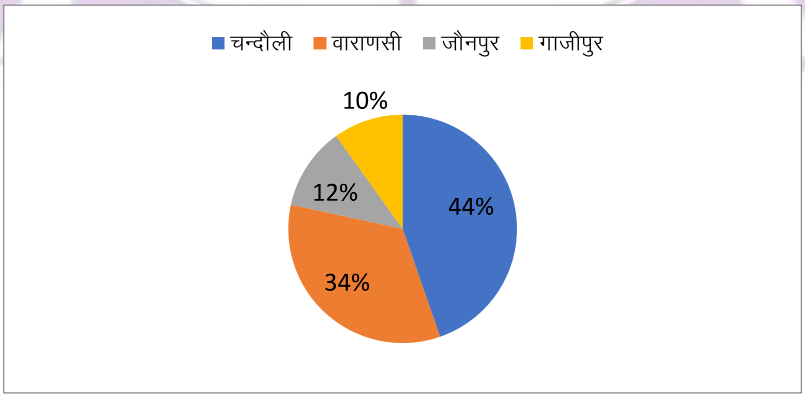

पाई चार्ट 1 के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि वाराणसी मण्डल में सबसे अधिक 44 प्रतिशत स्वयं सहायता समूह चन्दौली जनपद में हैं तथा सबसे कम 10 प्रतिशत गाजीपुर जनपद में स्वयं सहायता समूह हैं।

निष्कर्ष एवं सुझाव

वाराणसी मण्डल में स्वयं सहायता समूह से संबन्धित विभिन्न चरों के आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि समग्र रूप से स्वयं सहायता समूहों में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं। वाराणसी मण्डल में निर्मित स्वयं सहायता समूहों का प्रतिशत बढ़ा है परन्तु गाजीपुर जिले का मण्डल में प्रतिशत घटा है (सारणी–1)। वाराणसी मण्डल के जिलों में सबसे अधिक 7,772 स्वयं सहायता समूहों का निर्माण चन्दौली जनपद में हुआ है जबकि सबसे कम 1720 स्वयं सहायता समूहों का निर्माण गाजीपुर जनपद में हुआ है (सारणी–5)। इस प्रकार वाराणसी मण्डल में संचालित समग्र स्वयं सहायता समूहों का चन्दौली जनपद 44 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करता है जबकि केवल 10 प्रतिशत ही गाजीपुर में ही स्वयं सहायता समूह संचालित हैं। इसी प्रकार सबसे अधिक परिक्रमण निधि चन्दौली जनपद को प्राप्त हैं जबकि सबसे कम गाजीपुर परिक्रमण निधि प्राप्त करने में है।

स्वयं सहायता समूहों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न घटकों का विश्लेषण कर स्थानीय परिस्थियों के अनुसार नीतिगत सुधार किये जाने की आवश्यकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Government of Uttar Pradesh, (2025). *Chandauli Population.* Retrieved 6 June, 2025, from https://chandauli.nic.in/

Government of Uttar Pradesh, (2025). *Ghazipur Population.* Retrieved 6 June, 2025, from https://ghazipur.nic.in/

Government of Uttar Pradesh, (2025). *Jaunpur Population.* Retrieved 6 June, 2025, from https://jaunpur.nic.in/

Government of Uttar Pradesh, (2025). *Varanasi Population.* Retrieved 6 June, 2025, from https://varanasi.nic.in/

Henry, B. (2009). India : Self help groups, saving mobilisation and access to finance. *Asian Development Bank.*

Jindal, A. (2005). Microfinance and SHGs : Role of government institution. *Economic and Political Weekly*,*40*(38).

Ministry of Rural Development, (2025). *SHGs list.* Retrieved 3 June, 2025, from https://www.nrlm.gov.in/shgOuterReports.do?methodName=showShgreport

Pandey, V., Pinto, A., Khanganba, E. K., Singh, H., Kumar, S. & Dey, A. (2024). Program evolution of DAY-NRLM : Long term welfare impact on rural household. *World Bank.*

Raghunathan, K. & Desai, S. (2021). Working with women`s groups to improve nutrition in India. *Economic and Political Weekly.56*(5).

Reddy, K. R. & Reddy, C. S. (2012). Self help groups in India : A study on quality and sustainability. *Enable Publication.*

Sitaram, S., (2011). India : Promoting urban social development through self help groups. *Asian Development Bank.*

कुमार, डी. और कुमार, आर. (2025). उत्तर प्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय की प्रवृत्ति का अध्ययन. *शिक्षा शास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ.*

वर्मा, एस. के. और मौर्य, पी. एन. (2018). उत्तर प्रदेश के वाराणसी मण्डल के जिलों में मनरेगा के निष्पादन का तुलनात्मक अध्ययन. *रिसर्च डिस्कोर्स.8*(8).